(b) It is difficult to estimate the exact requirement of pulses over a period of time as the demand would depend on various factors such as level of production, availabilitf of other substitutes, in-comeSj popiulation and food habits, etc. However, according to the working Group Report on Demand and Supply Projections of Agriculture Commodities and Improvement of Agricultural Statistics for the formulation of Ninth Five Year Plan on the production requirement of pulses for 2001-02 Works out to 19.50 million tonnes based on GDP growth rate of 7% and 17.20 million tonnes based on the normative requirement as recommended by National Institute of Nutrition, Hyderabad. The most likely supply projection of pulses for 2061-02 has been indicated as 17.50 million tonnes.

(c) For increasing the production of pulses in the country, a Centrally Sponsored National Pulses Development Project (NPDP) is being implemented in 26 states/UTs. Through this, scheme, emphasis is being given on increasing the productivity levels of pulses by propogat-ing the adoption of improved production technology and also the area expansion by intercropping and sequence cropping.

कृषि उत्पादों पर रासायनिक उर्वरकों का प्रतिकूल प्रभाव

1871. **श्री अजीत जोगी** :
श्री मूलचन्द मीण :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कृषि उत्पादन पर रासायनिक उर्वरकों के प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में कोई अध्ययन किया हैं,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं,

(ग) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने इस संबंध में कोई सुधारात्मक उपायों का सुझाव दिया हैं,

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं,

(ड.) क्या सरकार भूमिगत जल तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु किसी परामर्शदात्री निकाय का गठन करने का विचार रखती हैं, और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. एस. वेगुगोपालाचारी) : (क) जी, हां।

(ख) विभिन्न फसलों पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा किसानों के खेत में किए गए कई परीक्षणों से यह स्पष्ट रूप से मालूम हुआ हैं कि उर्वरकों के संतुलित उपयोग से मृदा तथा फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता हैं। तथापि यदि सभी पोषक तत्वों के संतुलन का बिना ध्यान रखे उर्वरक का लगातार उपयोग किया जाए तो मृदा तथा फसल पर इसका प्रतिकूल प्रभाव देखा जा सकता हैं जो मृदा और फसल की स्थितियों पर निर्भर करता हैं।

(ग) जी, हां।

(घ) देश के विभिन्न कृषि परिस्थितिकी क्षेत्रों में फसल उत्पादन के लिए एक मुश्त क्रियाएं राज्य प्रायोजित प्रायोजनाओं के अतिरिक्त भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से सहायता प्राप्त प्रायोजनाओं से प्राप्त अनुसंधान परिणामों पर आधारित होती हैं। इन एक मुश्त क्रियाओं के जरिए, किसानों के लिए विभिन्न मृदाओं तथा फसलों हेतु उर्वरकों की उपयुक्त मात्राओं की सिफारिश की जाती हैं।

(ड़) जी, नहीं। चूंकि हमने कृषि क्षेत्रों में उर्वरकों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पाया हैं, इसलिए इस प्रकार का प्रस्ताव तैयार नहीं किया जा रहा हैं।

(च) लागू नहीं होता।

Benefits meant for Indian farmers go to Bangladesh

1872. DR. D. VENKATESHWAR RAO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the news item captioned "benefits meant for Indian farmers go to Bangladesh" appeared in the Indian Express, dated 15lh May, 1997;

(b) if so, the facts thereof; and